



नेपाल राजपत्र

भाग ४

श्री ५ को सरकारद्वारा प्रकाशित

खण्ड १७] काठमाडौं, ज्येष्ठ १२ गते २०२४ साल [अतिरिक्ताङ्क ६ (क)

श्री ५ को सरकार
अर्थ-मन्त्रालयको
सूचना

मालपोत (विशेष व्यवस्था) ऐन, २०१८ (संशोधनसहित) को दफा ३ ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी श्री ५ को सरकारले निम्नलिखित माल अन्तर्गतको जग्गा जिम्दारी २०२३ सालको मालपोत बाँकीमा लिलाम गर्ने समयको अवधिलाई बढाई रैतीहरूलाई ज्येष्ठ मसान्तसम्म र जिम्दारीहरूको निमित्त आषाढ ७ गतेसम्म तारेख मुकरर गरी म्याद टाँस गरी तोकिदिएको छः-

- | | | |
|------------------|----------------|------------------|
| (१) झापा माल | (२) सुनसरी माल | (३) मोरङ्ग माल |
| (४) सप्तरी माल | (५) सिराहा माल | (६) सर्लाही माल |
| (७) महोत्तरी माल | (८) धनुषा माल | (९) मकवानपुर माल |
| (१०) चित्तौन माल | (११) पर्सा माल | (१२) रौतहट माल |

२९

आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।

(२)

नेपाल राजपत्र भाग ४

- (१३) कपिलवस्तु माल
- (१६) दाङ् दे. माल
- (१६) काँलाली माल
- (२२) उदयपुर माल
- (१४) रूपन्देही माल
- (१७) बर्दिया माल
- (२०) कञ्चनपुर माल
- (२३) बारा माल
- (१५) नवलपरासी माल
- (१८) बाँके माल
- (२१) सुर्खेत माल

आज्ञाले-

डा. यादवप्रसाद पन्त
श्री ५ को सरकारको सचिव ।

राजपत्र भाग ४

(क) १ बुधवारको माल

किपुलीको माल (१) ... (२) ... (३) ... (४) ... (५) ... (६) ... (७) ... (८) ... (९) ... (१०) ... (११) ... (१२) ... (१३) ... (१४) ... (१५) ... (१६) ... (१७) ... (१८) ... (१९) ... (२०) ... (२१) ... (२२) ... (२३) ... (२४) ... (२५) ... (२६) ... (२७) ... (२८) ... (२९) ... (३०) ... (३१) ... (३२) ... (३३) ... (३४) ... (३५) ... (३६) ... (३७) ... (३८) ... (३९) ... (४०) ... (४१) ... (४२) ... (४३) ... (४४) ... (४५) ... (४६) ... (४७) ... (४८) ... (४९) ... (५०) ... (५१) ... (५२) ... (५३) ... (५४) ... (५५) ... (५६) ... (५७) ... (५८) ... (५९) ... (६०) ... (६१) ... (६२) ... (६३) ... (६४) ... (६५) ... (६६) ... (६७) ... (६८) ... (६९) ... (७०) ... (७१) ... (७२) ... (७३) ... (७४) ... (७५) ... (७६) ... (७७) ... (७८) ... (७९) ... (८०) ... (८१) ... (८२) ... (८३) ... (८४) ... (८५) ... (८६) ... (८७) ... (८८) ... (८९) ... (९०) ... (९१) ... (९२) ... (९३) ... (९४) ... (९५) ... (९६) ... (९७) ... (९८) ... (९९) ... (१००) ...

माल (१)	माल (२)	माल (३)
माल (४)	माल (५)	माल (६)
माल (७)	माल (८)	माल (९)
माल (१०)	माल (११)	माल (१२)

१२

श्री ५ को सरकारको एउटा विधानमा मूद्रित गरी एपछि मात्र लागु हुनेछ।